

कैसे आएं भगवान

मैंने आंगन नहीं बुहारा कैसे आएं भगवान,
चंचल मन को नहीं संभाला कैसे आएं भगवान,
मैंने आंगन नहीं बुहारा कैसे आएं भगवान....

हर कोने में मशक शाह की लगी हुई है ढेरी,
नहीं ज्ञान की किरण कहीं भी हर कोठरी अंधेरी,
आंगन चौबारा अंधियारा कैसे आएं भगवान,
मैंने आंगन नहीं बुहारा....

हृदय तुम्हारा पिघल ना पाया जब देखा दुखीहारा,
किसी पंथ भोले ने तुमसे पाया नहीं सहारा,
सुखी है करुणा की धारा कैसे आएं भगवान,
मैंने आंगन नहीं बुहारा....

अंतर के पट खोल देख लो ईश्वर पास मिलेगा,
हर प्राणी में ही परमेश्वर का आवास मिलेगा,
सच्चे मन से नहीं पुकारा कैसे आएं भगवान,
मैंने आंगन नहीं बुहारा....

निर्मल मन हो तो रघुनायक शबरी के घर आते,
सूर श्याम की बांह पकड़कर साग विदुर घर खाते,
इस पर हमने नहीं बिचारा इस पर तुमने नहीं बिचारा,
मैंने आंगन नहीं बुहारा....

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/26598/title/kaise-aayege-bhagwan>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |